बेरसिया

विकास योजना

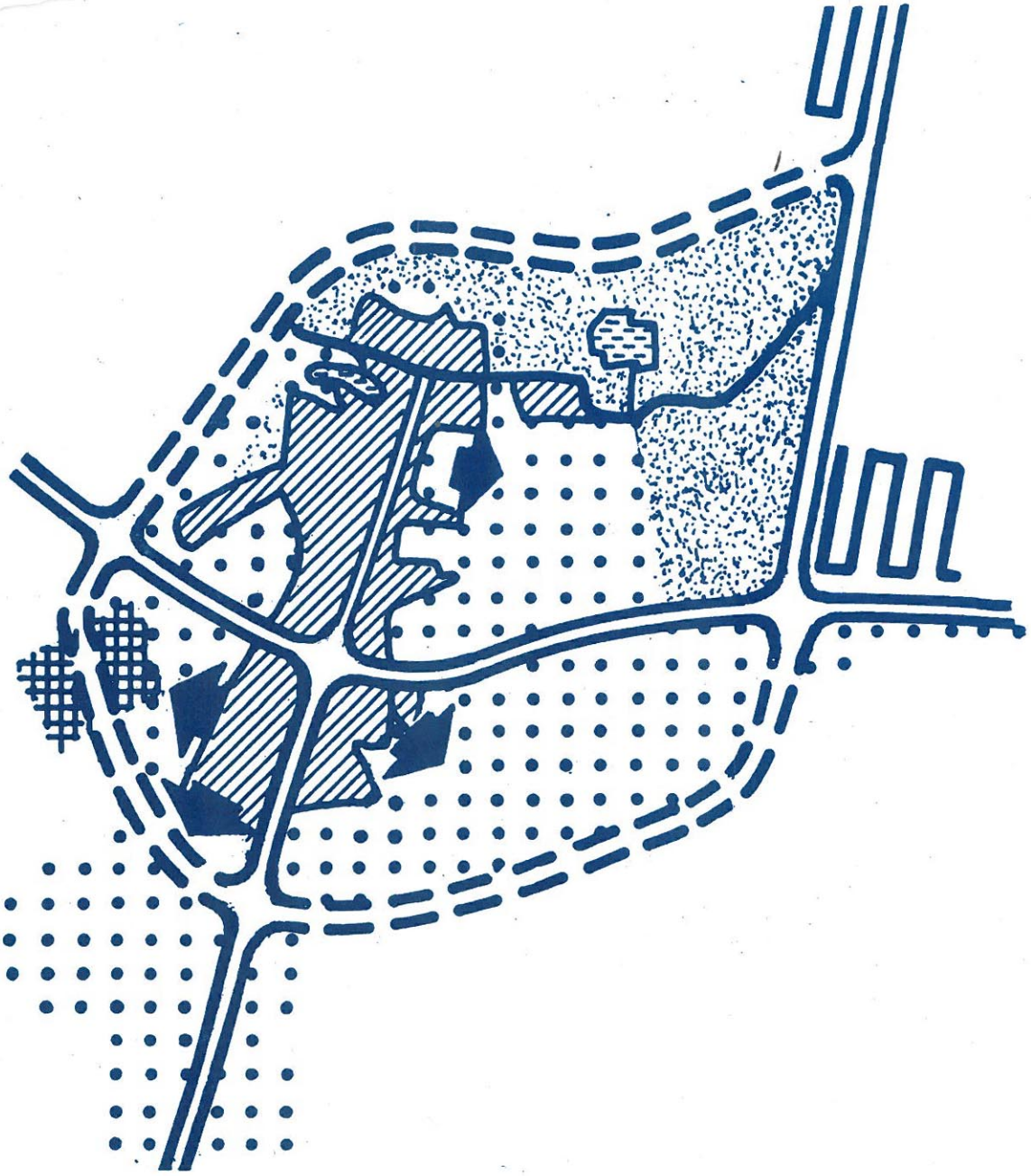

संचालनालय नगर तथा ग्राम निवेश, मध्यप्रदेश

बैरसिया
विकास योजना

मध्यप्रदेश नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम, 1973
के प्रावधानान्तर्गत प्रकाशित

संचालनालय, नगर तथा ग्राम निवेश, मध्यप्रदेश, भोपाल

प्रस्तावना

बैरसिया नगर प्रदेश की राजधानी भोपाल से 42 कि.मी. दूर उत्तर दिशा में राज्य राजमार्ग क्रमांक 23 पर स्थित है। यह भोपाल जिले का तहसील मुख्यालय नगर है। निवेश क्षेत्र के पश्चिम दिशा में वाह नदी प्रवाहित होती है। नगर से संलग्न प्रक्षेत्र कृषि उत्पाद के लिये जाना जाता है। बैरसिया नगर अकबर के शासनकाल में रायसेन सरकार के अंतर्गत था। बाद में यह भोपाल रियासत के संस्थापक द्वारा अफगान सरदार दोस्त मोहम्मद खान को पट्टे पर दिया गया एवं तत्पश्चात् आजादी के पूर्व तक यह सूबा मालवा के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन था।

नगर का वर्तमान विकास प्रमुख मार्ग के उत्तर दिशा में हुआ है। मालवा पठार के अंतर्गत होने से यहाँ की मिट्टी अत्यन्त उपजाऊ है। नगर तहसील स्तरीय प्रशासकीय केन्द्र एवं उपक्षेत्रिय स्तर का शैक्षणिक केन्द्र तथा कृषि आधारित व्यापार/वाणिज्यिक गतिविधियों का केन्द्र है। राजधानी भोपाल के निकट होने से आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता के कारण नगर विकास की प्रबल संभावनाएँ हैं, अतः भूमि का समुचित उपयोग करते हुए अनियोजित विकास को व्यवस्थित करने, आवासीय क्षेत्रों हेतु भूमि का प्रस्ताव, नगर की गतिविधियों के अनुरूप वाणिज्यिक एवं औद्योगिक उपयोग हेतु भूमि का प्रावधान, नवीन वाणिज्यिक केन्द्रों का विकास, जल स्त्रोतों एवं गंदी बस्तियों का सुधार, कृषि उत्पादन एवं उसके संग्रहण हेतु समुचित प्रावधान विकास योजना में किये गये हैं । नगर विकास को आधुनिक परिवेश के अनुरूप सुनियोजित दिशा मिल सके तथा नागरिकों को यथोचित नगरीय सेवा सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा सके, इसी उद्देश्य को लेकर विकास योजना वर्ष 2021 की प्रक्षेपित जनसंख्या 57 हजार को आधार मानकर तैयार की गई है जिसमें युक्तियुक्त भूमि उपयोगों के साथ ही विभिन्न प्रस्तावों के प्रावधान किये गये है। साथ ही सुगम परिभ्रमण तंत्र एवं अधोसंरचना विकास के प्रस्ताव भी सम्मिलित है।

बैरसिया विकास योजना म.प्र. नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम 1973 की धारा 19(1) के अंतर्गत आवास एवं पर्यावरण विभाग की अधिसूचना कमांक एफ–3–78–2006–बत्तीस दिनांक 08.10.2008 के द्वारा अनुमोदित होकर उक्त अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन दिनांक 24.10.2008 से प्रभावशील है।

इस विकास योजना के क्रियान्वयन से निःसंदेह नगर का समग्र नियोजित विकास होगा, जिसमें सभी क्रियान्वयन संस्थाओं का योगदान अपेक्षित है।

(आशीष उपाध्याय)
आयुक्त सह संचालक
नगर तथा ग्राम निवेश, मध्य प्रदेश, भोपाल

योजना दल

अपर संचालक

पी. एन. मिश्रा

संयुक्त संचालक

विजय सावलकर

बी.एन त्रिपाठी

एस. एस. राठौर

उप संचालक

आर. के पाण्डेय

सहायक संचालक

अमित गजभिये

नजमा नवी

योजना दल से संबद्ध कर्मचारीगण

हिमांशु जोशी
पी.डी. सक्सेना
मनोज गहोदिया
बी. पी. दोगने
एस. पी. कुशवाह
एम. एल. नेगी
भूषण कुलकर्णी
सतीश शाक्य
राशिदा नईम

लीलम्मा सी
इन्दु त्रिपाठी
नसीम इनाम
पी. एस. बाटव
अरूण वराड़पांडे
जयंत शील
एस. ए. हुसैन
फहीम सुल्तान
जयंत जोशी

अन्य कर्मचारीगण

अजय अग्रवाल

एस. के.निम्बालकर

ज्योति कुलकर्णी

विषय-सूची

		पृष्ठ क्रमांक
	प्रस्तावना	–
	योजना दल	–
	विषय सूची	(i)
	सारणी सूची	(v)
	मानचित्र सूची	(vii)
	भाग एक—समस्याओं का विश्लेषण	
अध्याय 1	**नगर परिचय**	1–5
1.1	स्थिति	1
1.2	निवेश क्षेत्र	1
1.3	भौतिक स्वरूप एवं सतही जल निकास	2
1.4	ऐतिहासिक पृष्ठ भूमि	2
1.5	जनसंख्या परिवर्तन	3
1.6	नगर की आर्थिक रूपरेखा	4
1.7	नगर पंचायत की वित्तीय स्थिति	5
1.8	नगर के मुख्य कार्यकलाप	5
अध्याय 2	**वर्तमान भूमि उपयोग एवं आवास**	7–19
2.1	भूमि उपलब्धता	7
2.2	भूमि उपयोग वर्गीकरण	7
2.3	वर्तमान भूमि उपयोग	8
2.4	आवासीय घनत्व	9
2.5	आवासों की कमी	11
2.6	वाणिज्यिक	11
2.7	औद्योगिक	12
2.8	सार्वजनिक एवंअर्द्ध-सार्वजनिक	14
2.9	सार्वजनिक उपयोगिता एवं सेवाएं	18
2.10	आमोद-प्रमोद	19
2.11	यातायात एवं परिवहन	19
2.12	असंगत एवं अकार्यक्षम भूमि उपयोग	19
अध्याय 3	**वर्तमान यातायात संरचना एवं नगरीय अधोसंरचना**	21–27
3.1	यातायात एवं परिवहन	21
3.2	क्षेत्रीय परिभ्रमण संरचना	21
3.3	नगरीय परिभ्रमण संरचना	21
3.4	यातायात समस्यायें	23
3.5	नगरीय अधोसंरचना	24

		पृष्ठ क्रमांक
3.6	सेवा सुविधाएं	25
3.7	आई.डी.एस.एम.टी. योजना	26

भाग दो—नियोजन प्रस्ताव

		पृष्ठ क्रमांक
अध्याय 4	**भावी आवश्यकताएं एवं प्रस्तावित भूमि उपयोग**	**31-41**
4.1	नगर के भावी कार्यकलाप	31
4.2	योजना कालावधि	31
4.3	योजना उद्देश्य तथा लक्ष्य	32
4.4	योजना अवधारणा	32
4.5	भावी जनसंख्या	33
4.6	अनुमानित आवास आवश्यकता	33
4.7	प्रस्तावित भूमि उपयोग एवं भू-आवंटन	35
4.8	निवेश इकाईयां	35
4.9	प्रस्तावित भूमि उपयोग	36
4.10	औद्योगिक	39
4.11	सार्वजनिक एवं अर्ध सार्वजनिक एवं सेवा सुविधाएं	39
4.12	आमोद-प्रमोद	40
4.13	यातायात एवं परिवहन	40
4.14	असंगत एवं अकार्यक्षम भूमि उपयोग की पुर्नस्थापना	40
4.15	ग्राम विकास	41
अध्याय 5	**प्रस्तावित परिभ्रमण संरचना एवं नगरीय अधोसंरचना**	**43-49**
5.1	प्रस्तावित परिभ्रमण संरचना	43
5.2	क्षेत्रीय परिभ्रमण संरचना	43
5.3	नगरीय परिभ्रमण संरचना	43
5.4	मार्गों का कार्यात्मक श्रेणीक्रम	43
5.5	यातायात अवसान केन्द्र	46
5.6	यातायात तंत्र में सुधार	46
5.7	नगरीय अधोसंरचना एवं सेवा सुविधाएं	47
अध्याय 6	**विकास नियमन**	**51-76**
6.1	प्रवृत्तशीलता	51
6.2	क्षेत्राधिकार	51
6.3	परिभाषाएं	52
6.4	भूमि उपयोग परिक्षेत्र	53
6.5	नवीन आवासीय क्षेत्र हेतु विकास नियमन	54
6.6	वन आवास (फार्म हाउस)	56
6.7	औपचारिक वर्ग के लिए प्रावधान	56

		पृष्ठ संख्या
6.8	वाणिज्यिक क्षेत्रों के लिए रूपांकन मार्गदर्शिका	57
6.9	औद्योगिक विकास मानक	61
6.10	सामाजिक अधोसंरचना हेतु मानक	62
6.11	अन्य उपयोग गतिविधियों के नियमन	65
6.12	यातायात नगर के मानक	66
6.13	वाहन विराम स्थल के मापदण्ड	67
6.14	निकास मार्गों की निम्नतम चौड़ाई	69
6.15	उपयोग परिक्षेत्रों में उपयोग परिसरों की अनुमति	69
6.16	वर्तमान विकसित क्षेत्र हेतु विकास नियमन	71
6.17	संवेदनशील क्षेत्रों हेतु नियमन	74
6.18	नगरीय विरासत वाले क्षेत्रों हेतु नियमन	74
6.19	विकास/निवेश अनुज्ञा प्राप्ति की प्रक्रिया	75
6.20	विकास योजना प्रस्तावों की प्राप्ति हेतु प्रक्रिया	76
अध्याय 7	**विकास योजना का क्रियान्वयन**	77–85
7.1	विकास योजना का क्रियान्वयन	77
7.2	योजना क्रियान्वयन की नीति	78
7.3	पर्यावरण प्रबंधन एवं संरक्षण कार्यक्रम	78
7.4	नगरीय अधोसंरचना एवं सेवा योजना	79
7.5	योजना एवं कार्यक्रम	81
7.6	प्रथम चरण कार्यक्रम	82
7.7	योजना पर्यवेक्षण तंत्र	83
7.8	योजना की व्याख्या	85
	परिशिष्ट	87–99

सारणी क्रमांक	शीर्षक	पृष्ठ संख्या
6-सा-6	औद्योगिक क्षेत्र हेतु विकास मापदण्ड	61
6-सा-7	सेवा-सुविधाओं हेतु मापदण्ड	62
6-सा-8	सामुदायिक सेवा सुविधाओं के मापदण्ड	63
6-सा-9	खुले स्थलों एवं आमोद-प्रमोद क्षेत्रों के मापदण्ड	64
6-सा-10	यातायात/मैकेनिक नगर के मानक	66
6-सा-11	यातायात नगर में सुविधाओं के मापदण्ड	66
6-सा-12	वाहन विराम मापदण्ड	67
6-सा-13	सड़कों के किनारे वाहन विराम स्थल का आधार	68
6-सा-14	स्वीकृत एवं स्वीकार्य उपयोग	69
6-सा-15	वर्तमान आवासीय विकास हेतु भू-खण्ड का आकार एवं निर्मित क्षेत्र	71
6-सा-16	सार्वजनिक तथा अर्द्धसार्वजनिक हेतु विकास मापदण्ड	73
7-सा-1	योजना कार्यान्वयन की लागत	77
7-सा-2	प्रथम चरण की लागत	83

सारणी-सूची

सारणी क्रमांक	शीर्षक	पृष्ठ संख्या
1 सा – 1	निवेश क्षेत्र	1
1–सा – 2	नगर पंचायत क्षेत्र	2
1 सा – 3	जनसंख्या दशक वृद्धि	3
1 सा – 4	व्यावसायिक संरचना	4
2 सा – 1	भूमि उपलब्धता	7
2 सा – 2	वर्तमान भूमि उपयोग–2004	8
2 सा – 3	आवासीय घनत्व (वार्डवार)	9
2 सा – 4	गंदी बस्तियां	10
2 सा – 5	औद्योगिक प्रतिष्ठान	12
2 सा – 6	महाविद्यालय एवं तकनीकी संस्थान/उच्चतर माध्यमिक विद्यालय	15
2 सा – 7	स्वास्थ्य सेवाएं	17
2 सा – 8	असंगत एवं अकार्यक्षम भूमि उपयोग	19
3 सा – 1	विद्युत् कनेक्शन	25
3 सा – 2	आई.डी.एस.एम.टी. योजना	26
3 सा – 3	नगर पंचायत की योजनाएं	27
4 सा – 1	अनुमानित परिवार एवं आवास आवश्यकता	34
4 सा – 2	प्रस्तावित भूमि उपयोग एवं भू–आवंटन–2021	35
4 सा – 3	प्रस्तावित भूमि उपयोग (निवेश इकाईवार)	36
4 सा – 4	निवेश इकाईवार भू–आवंटन (विकसित क्षेत्र)	36
4 सा – 5	भूमि उपयोगों की पुनर्स्थापना एवं रिक्त भूमि का उपयोग	41
5–सा–1	मार्गों की प्रस्तावित चौड़ाई	44
5–सा–2	वर्तमान मार्गों की प्रस्तावित चौड़ाई	45
6–सा–1	उपयोग परिक्षेत्र	53
6–सा–2	आवासीय भू–खण्डों के विकास मापदण्ड	54
6–सा–3	अनौपचारिक वर्ग के लिए योजना प्रावधान	57
6–सा–4	वाणिज्यिक विकास हेतु मापदण्ड	58
6–सा–5	थोक वाणिज्यिक विकास हेतु अभिन्यास के मानक	59

मानचित्रों की सूची

मानचित्र क्रमांक	शीर्षक	पृष्ठ संख्या
1.1	निवेश क्षेत्र	2 (अ)
1.2	क्षेत्रीय स्थिति	2 (अ)
2.1	वर्तमान भूमि उपयोग	8 (अ)
3.1	वर्तमान परिभ्रमण संरचना	22 (अ)
4.1	प्रस्तावित विकास योजना	36 (अ)
4.2	निवेश इकाईयां	36 (अ)
5.1	प्रस्तावित परिभ्रमण संरचना	46 (अ)
7.1	प्रथम चरण	84 (अ)

भाग–एक
नगर परिचय
एवं समस्याओं का विश्लेषण

अध्याय-1
नगर परिचय

1.1 स्थिति

बैरसिया नगर भोपाल जिले का तहसील मुख्यालय है। यह नगर प्रदेश की राजधानी भोपाल से उत्तर की ओर 42 किलोमीटर दूर राजमार्ग क्रमांक 23 पर 23°—43' उत्तरी अक्षांश पर तथा 77°—26' पूर्वी देशांश पर समुद्र सतह से लगभग 480 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है।

1.2 निवेश क्षेत्र

नगर के भावी विकास को नियंत्रित एवं सुनियोजित करने हेतु मध्यप्रदेश नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम, 1973 की धारा 13(1) के अन्तर्गत भोपाल जिला योजना समिति द्वारा अधिसूचना क्रमांक 2297 भोपाल, दिनांक 30-7-2002 द्वारा बैरसिया निवेश क्षेत्र का गठन किया गया है, जिसमें बैरसिया नगर पंचायत क्षेत्र एवं इसके आसपास स्थित चार प्रमुख राजस्व ग्रामों को सम्मिलित किया गया है। बैरसिया निवेश क्षेत्र का कुल क्षेत्रफल 2243.5 हेक्टर है एवं कुल जनसंख्या 26288 हैं।

बैरसिया : निवेश क्षेत्र

1-सा-1

क्रमांक	ग्राम का नाम	क्षेत्रफल (हेक्टर में)	जनसंख्या (2001)
1	2	3	4
1	पाताल्पुर	105.1	309
2	खजूरिया रामदास	222.1	907
3	आजमपुर	103.1	132
4	नरेला बाज्याफत	155.0	638
(अ) योग ग्रामीण		585.3	1986
(ब) बैरसिया नगर पंचायत		1658.2	24302
निवेश क्षेत्र (अ+ब)		2243.5	26288

स्रोत : भारत की जनगणना.

1.2.1 नगर पंचायत क्षेत्र

बैरसिया में 21 अप्रैल 1956 को टाउन एरिया कमेटी का गठन किया गया, जिसमें बैरसिया राजस्व ग्राम एवं शेरपुर का क्षेत्र सम्मिलित था। तदुपरांत 30 जुलाई 1983 में राजस्व ग्राम बसई, इब्राहिमपुरा एवं ग्राम टिकनखेड़ी को

इसमें सम्मिलित किया जाकर इसे नगर पंचायत का दर्जा दिया गया। वर्तमान बैरसिया नगर पंचायत का कुल क्षेत्रफल 1658.2 हेक्टर तथा जनसंख्या 24302 है। ग्रामवार विवरण निम्नानुसार है :—

बैरसिया : नगर पंचायत क्षेत्र

1-सा-2

क्रमांक	ग्राम का नाम	क्षेत्रफल (हेक्टर) में	जनसंख्या (2001)
1	2	3	4
1	बैरसिया	192.6	
2	बसई	753.4	
3	शेरपुरा	125.3	
4	इब्राहिमपुरा	407.2	
5	टिकनखेड़ी	179.7	
	योग . .	1658.2	24302

स्रोत : नगर पंचायत बैरसिया एवं भारत की जनगणना।

1.3 भौतिक स्वरूप एवं सतही जल निकास

बैरसिया नगर समतल भूमि पर विकसित हुआ है। नगर की अधिकांश बसाहट उत्तर दिशा की ओर है। नगर का संपर्क सड़क मार्ग से भोपाल, ब्यावरा, नरसिंहगढ़, सिरोंज, विदिशा, लटेरी एवं शमशाबाद से है। नगर का प्राकृतिक ढलान पूर्व से पश्चिम दिशा की ओर है एवं जल निकास छोटे-छोटे नालों के माध्यम से अंत में वाह नदी में मिलता है। नगर का गंदा पानी एवं वर्षा जल भी इन्हीं नालों के माध्यम से वाह नदी में मिलता है। नदी का प्रवाह दक्षिण से उत्तर दिशा की ओर है। नगर के आसपास की भूमि समतल है एवं मिट्टी उपजाऊ है, जो कि रबी एवं खरीफ की फसल के लिए उपयुक्त है।

1.3.1 जलवायु

बैरसिया नगर उष्ण कटिबंधीय प्रदेश में स्थित है। यहां अक्टूबर से फरवरी माह तक शीत ऋतु, मार्च से जून तक ग्रीष्म ऋतु एवं जुलाई से सितम्बर तक वर्षा ऋतु रहती है। शीत ऋतु के दौरान नगर का औसत अधिकतम तापमान जनवरी माह में 20.7 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 8.8 डिग्री सेल्सियस रहता है। ग्रीष्म ऋतु में अधिकतम तापमान मई माह में 45 डिग्री सेल्सियस तथा औसत न्यूनतम तापमान 25.0 सेल्सियस रहता है। वायु प्रवाह की दिशा अधिकांश समय दक्षिण-पश्चिम से उत्तर-पूर्व की ओर रहती है। यहां पर औसत वार्षिक वर्षा लगभग 972 मि.मी. होती है।

1.4 ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

बैरसिया शहर, सूबा मालवा के अंतर्गत बादशाह अकबर के शासन काल में रायसेन सरकार के अंतर्गत आता

बेरसिया

1.1 निवेश क्षेत्र

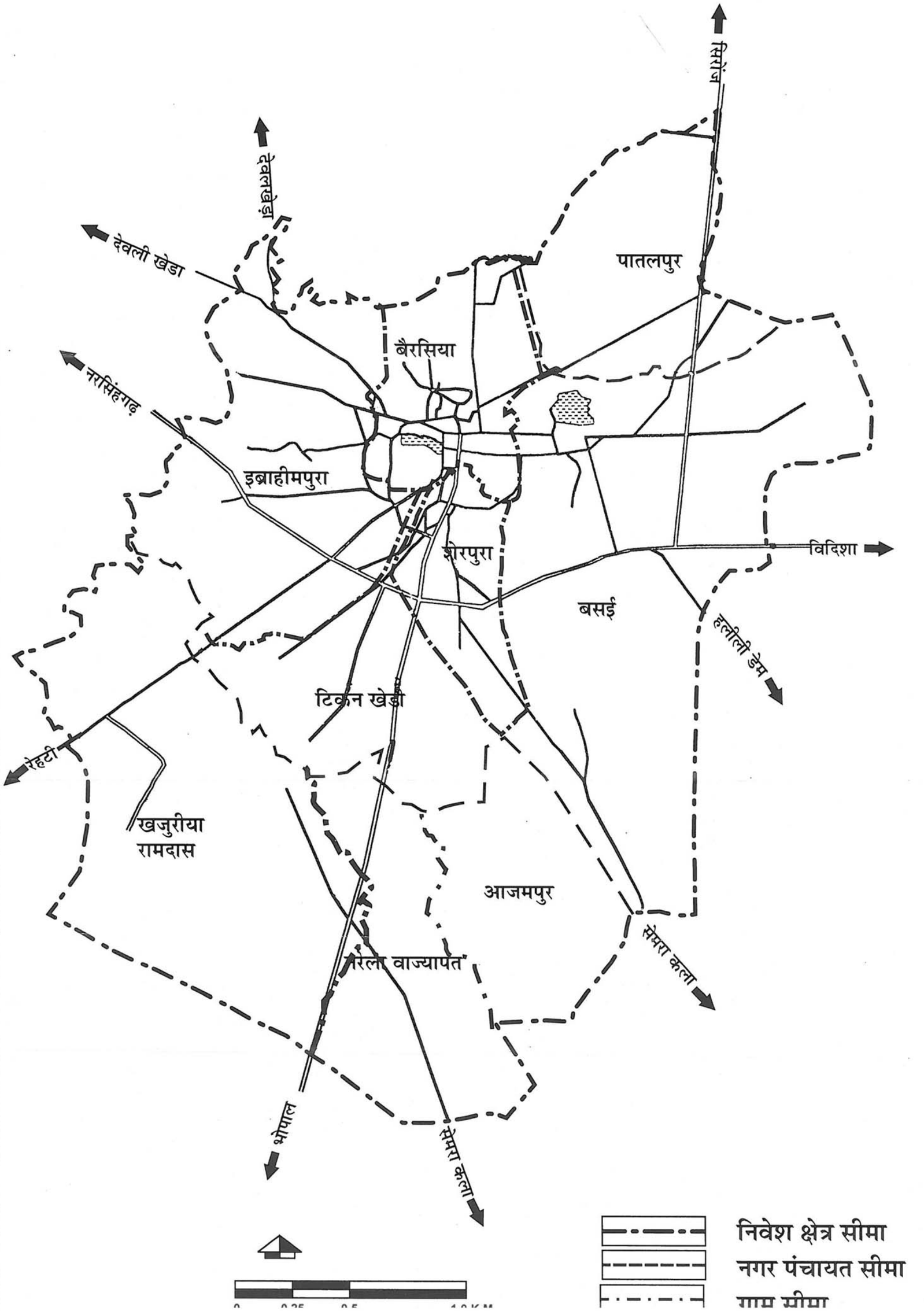

बेरसिया

1.2 क्षेत्रीय स्थिति

नगरीय क्षेत्र

औद्योगिक ग्रोथ केन्द्र

पर्यटन स्थल

हाईवे - मार्ग

रेल्वे लाईन

वन भुमि/रक्षित वन

N

5 0 5 10 15 20 25

था। सन् 1709 में भोपाल राज्य के संस्थापक दोस्त मोहम्मद खान द्वारा इसे पट्टे पर लिया गया था, सन् 1817 में भोपाल राज्य के साथ-साथ बैरसिया नगर धार राज्य के अंतर्गत पवार शासकों के अधीन हो गया तथा वर्ष 1859 में ब्रिटिश शासन के अधीन। वर्ष 1860 में ब्रिटिश सरकार ने इस नगर को दोस्त मोहम्मद खान को तोहफे के रूप में दे दिया।

अफगान सरदार दोस्त मोहम्मद खान द्वारा भोपाल राज्य की स्थापना के साथ ही सीहोर जिले का गठन किया गया था। बैरसिया पूर्व में सीहोर जिले के अंतर्गत आता था एवं वर्तमान बैरसिया तहसील की सीमा पश्चिम में पार्वती नदी तक है। वर्ष 1972 में भोपाल जिले के गठन के उपरांत बैरसिया नगर भोपाल जिले के अंतर्गत होकर दिनांक 2-10-1953 को बैरसिया तहसील की स्थापना की गई तथा टाउन एरिया कमेटी का गठन 21 अप्रैल 1956 को हुआ।

तहसील मुख्यालय होने के कारण प्रशासकीय, स्वास्थ्य, शिक्षा, एवं वाणिज्यिक दृष्टि से नगर का महत्वपूर्ण स्थान है। इस क्षेत्र की मुख्य फसलें गेहूं, चना, सोयाबीन, गन्ना, मूंगफली, तुवर, तिल्ली, राई, बटरी आदि हैं। यहां पर कृषि पैदावार अच्छी होने के कारण कृषि उपज मण्डी की स्थापना भी की गई है।

1.5 जनसंख्या परिवर्तन

बैरसिया नगर की वर्ष 1901 में जनसंख्या 4276 थी, जो वर्ष 1961 में बढ़कर 6238 हो गई। इसके बाद 1971-81 के दशक में 24.75 प्रतिशत वृद्धि हुई। वर्ष 1991-2001 में जनसंख्या वृद्धि दर 34.71 प्रतिशत रही। यह जनसंख्या वृद्धि नगर में व्यवसायिक एवं अन्य गतिविधियों के विकास के कारण हुई है। नगर में स्त्री-पुरुष का अनुपात वर्ष 1961 की जनगणना अनुसार 903 स्त्रियां प्रति हजार पुरुष हैं, जबकि वर्ष 1991 में अनुपात 886 एवं 2001 में जनसंख्या दशक वृद्धि दर निम्न सारणी में दर्शाई गई है:—

बैरसिया : जनसंख्या दशक वृद्धि

1-सा-3

वर्ष	जनसंख्या	दशक वृद्धि दर %
1	2	3
1961	6238	–
1971	7782	24.75
1981	10835	39.23
1991	18031	66.41
2001	24302	34.71

स्त्रोत.—भारत की जनगणना।

1.6 नगर की आर्थिक रूपरेखा

नगर का आर्थिक स्वरूप प्रमुख रूप से कृषि उत्पाद, तहसील स्तर की प्रशासकीय गतिविधियों तथा व्यवसायिक कारणों पर आधारित है। प्रशासकीय वर्ग को छोड़कर अधिकांश लोग कृषि उत्पाद, व्यापार, वाणिज्य तथा लघु उद्योगों में कार्यरत हैं। कृषि उत्पाद का अधिकांश उत्पाद नगर के बाहर भेजा जाता है। कृषि उपज मंडी होने के कारण नगर की व्यवसायिक गतिविधियों में उन्नयन हुआ है।

1.6.1 व्यवसायिक संरचना

नगर की आत्मनिर्भरता एवं वहां की आर्थिक दशा का अनुमान व्यावसायिक ढांचे एवं सहभागिता दर से किया जा सकता है। 1991 के जनगणना आंकड़ों के आधार पर नगर में कुल श्रमिकों की संख्या 4686 थी तथा सहभागिता दर 260 रही। वर्ष 2001 की व्यवसायिक संरचना निम्नानुसार है :—

बैरसिया : व्यावसायिक संरचना-2001

1-सा-4

क्रमांक	कर्मियों का विवरण	संख्या	प्रतिशत
1	2	3	4
1.	कास्तकार	685	10
2.	खेतीहर मजदूर	746	11
3.	पारिवारिक उद्योगकर्मी	165	02
4.	अन्य कर्मी	5259	77
	योग . .	6855	100

वर्ष 1991 - 2001 के बीच कर्मियों की संख्या 146% की वृद्धि हुई है, जिसमें 10% कास्तकार, 11% खेतीहर मजदूर एवं 77% अन्य कर्मियों का है, जो सर्वाधिक है।

1.6.2 थोक व्यापार एवं कृषि उपज

नगर में कृषि उपज का थोक व्यापार, कृषि उपज मण्डी के माध्यम से होता है। नगर के आसपास के ग्रामों से कृषक अपना उत्पाद विक्रय हेतु यहां स्थित कृषि उपज मण्डी में लाते हैं। यहां के कृषि उत्पाद में सोयाबीन, गेहूं, चना, मसूर, तुअर, अलसी, राई आदि प्रमुख हैं। यहां की मंडी लगभग 11 हेक्टर भूमि पर स्थित है। कृषि उपज मण्डी बैरसिया में वर्ष 1999-2000 में 5.64 लाख क्विंटल कृषि उत्पाद, मण्डी में विक्रय हेतु लाया गया जबकि वर्ष 2001-02 में 5.11 लाख क्विंटल की आवक हुई।

उक्त अवधि में मंडी की आवक में आंशिक कमी का कारण कृषकों द्वारा मंडी के बाहर से ही कृषि उत्पाद का विपणन कर माल नगर से बाहर निर्यात करना रहा है। अपितु विगत वर्षों में नगर में वाणिज्यिक एवं व्यापारिक गतिविधियों में वृद्धि परिलक्षित हुई है। वर्ष 2001-2002 में मंडी की आय रुपये 145.24 लाख हुई।

1.7 नगर पंचायत की वित्तीय स्थिति

नगर पंचायत, बैरसिया की वर्ष 1996-97 में आय रुपये 86.52 लाख तथा व्यय रुपये 98.47 लाख था जो वर्ष 2001-02 में बढ़कर क्रमशः रुपये 130.00 तथा रुपये 130.27 लाख हो गया। इस प्रकार उक्त अवधि में आय में लगभग 50 प्रतिशत तथा व्यय में लगभग 32 प्रतिशत की वृद्धि हुई। उपरोक्त आय-व्यय के आंकड़ों से नगर पंचायत की आर्थिक स्थिति का उन्नयन परिलक्षित होता है।

1.8 नगर के मुख्य कार्यकलाप

नगर के प्रमुख कार्यकलाप निम्न गतिविधियों पर आधारित हैं:—

1. तहसील स्तरीय प्रशासकीय केन्द्र।
2. कृषि उत्पाद संबंधी व्यापार-वाणिज्यिक केन्द्र।
3. लघु एवं कुटीर उद्योग।
4. क्षेत्रीय शैक्षणिक केन्द्र।

अध्याय-२
वर्तमान भूमि उपयोग एवं आवास

नगर का आकार एवं विकास की दिशा उसके भौतिक स्वरूप एवं भौतिक विकास में मानवीय प्रयास से निर्धारित होती है। कृषि उत्पाद में अग्रणी होने के कारण कृषि उपज आधारित व्यापार एवं वाणिज्यक गतिविधियों तथा प्रशासकीय गतिविधियों में वृद्धि से नगर को नया आयाम मिला है। नगर का विकास, वर्तमान बस स्टेण्ड के उत्तर दिशा में सिरोंज मार्ग पर तथा भोपाल मार्ग पर अधिक हुआ है।

2.1 भूमि उपलब्धता

बैरसिया निवेश क्षेत्र का क्षेत्रफल 2243.5 हेक्टर है, जिसमें नगर पंचायत का 1658.2 हेक्टर क्षेत्र सम्मिलित है। निवेश क्षेत्र में 585.3 हेक्टर भूमि ग्रामों की है जो भावी विकास हेतु उपलब्ध है। विस्तृत विवरण निम्न सारणी में दर्शित है:—

बैरसिया : भूमि उपलब्धता

2-सा-1

क्रमांक	भूमि उपयोग	क्षेत्रफल (हेक्टर में)	प्रतिशत
1	2	3	4
1	विकसित क्षेत्र	280.00	12.48
2	अनुपयुक्त क्षेत्र	57.50	2.56
3	कृषि भूमि/उपयोगी भूमि	1906.00	84.96
	योग . .	2243.50	100.00

2.2 भूमि उपयोग वर्गीकरण

नगर में विभिन्न कार्यों के अनुरूप भूमि उपयोग का निर्धारण भिन्न-भिन्न उपयोगों में होता है जिसका नगर की गतिविधियों से सीधा संबंध रहता है। भूमि उपयोगों का आपसी सहसंबंध एवं उपयोगिता का अध्ययन आवश्यक है ताकि असंगत एवं अकार्यक्षम भूमि उपयोगों का चयन किया जा सके। नगर में विभिन्न उपयोगों के अंतर्गत भूमि उपलब्धता का आंकलन करने के लिए भूमि उपयोगों को निम्न वर्गों में विभक्त किया गया है:—

1. आवासीय
2. वाणिज्यिक
3. औद्योगिक
4. सार्वजनिक एवं अर्द्धसार्वजनिक
5. आमोद-प्रमोद
6. सार्वजनिक उपयोगिता एवं सेवायें
7. रिक्त भूमि

8. यातायात एवं परिवहन
9. कृषि भूमि
10. जलाशय/नदी

2.3 वर्तमान भूमि उपयोग

किसी भी नगर के भावी स्वरूप का अनुमान करने तथा भावी विकास योजना तैयार करने के लिए नगर के वर्तमान भूमि उपयोग का अध्ययन आवश्यक है। अत: बैरसिया निवेश क्षेत्र के वर्तमान भूमि उपयोग मानचित्र का प्रकाशन मध्यप्रदेश नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम, 1973 की धारा 15(1) के अंतर्गत किया जाकर धारा 15(4) में दिनांक 12-12-2002 को सम्यक् रूप से अंगीकृत किया गया है।

वर्तमान भूमि उपयोग की अद्यतन स्थिति के आधार पर नगर का वर्तमान भूमि उपयोग वर्गीकरण निम्न सारणी में दर्शाया गया है:—

बैरसिया : वर्तमान भूमि उपयोग-2004

2-सा-2

क्रमांक	भूमि उपयोग	क्षेत्रफल (हेक्टर में)	प्रतिशत	विकसित क्षेत्र (हेक्टर में)	प्रतिशत	भूमि उपयोगिता दर
1	2	3	4	5	6	7
1	आवासीय	112.40	5.01	112.40	40.14	4.32
2	वाणिज्यिक	33.95	1.51	33.95	12.12	1.30
3	औद्योगिक	0.23	0.01	0.23	0.08	0.01
4	सार्वजनिक एवं अर्द्धसार्वजनिक	49.55	2.21	49.55	17.70	1.91
5	सार्वजनिक उपयोगिताएं	18.60	0.83	18.60	6.65	0.72
6	आमोद-प्रमोद	2.14	0.10	2.14	0.76	0.08
7	यातायात एवं परिवहन	63.13	2.81	63.13	22.55	2.43
8	रिक्त भूमि	23.96	1.07	–	–	–
9	जलाशय-नदी	57.50	2.55	–	–	–
10	कृषि/अन्य भूमि	1882.04	83.90	–	–	–
	योग	2243.50	100.00	280.00	100.00	10.77

+(1) भूमि उपयोगिता दर हेक्टर प्रति हजार जनसंख्या में है।
(2) निवेश क्षेत्र की वर्ष 2004 की जनसंख्या 26000 अनुमानित है।

बैरसिया

2.1 वर्तमान भूमि उपयोग